र रोज 500 डिग्रियों पर हस्ताक्षर कर रहीं कुलपति

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

धारा 52 और नए कुलपति की नियुक्ति में देरी के चलते देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में जून-जुलाई के बीच डिग्रियों का ढेर लग गया। महीनेभर में यह आंकड़ा 7 हजार तक पहुंच चुका है। डिग्रियों का बोझ अब नवनियुक्त कुलपति डॉ. रेणु जैन पर आ गया है। हालांकि विद्यार्थियों की परेशानी दूर करने के लिए उन्होंने रोज 500 डिग्रियों पर दस्तखत कर रही हैं, जिससे उन्हें जारी किया जा सके। 24 जून को विश्वविद्यालय में धारा 52 लगाई थी। एक महीने तक नए कुलपति की नियुक्त नहीं हो सकी। इसके चलते विश्वविद्यालय में व्यवस्थाएं बेपटरी हो गईं। नौकरी और

डिग्रियों पर हस्ताक्षर करतीं कुलपति डॉ. रेणु जैन । ● नईदुनिया

करने वाले विद्यार्थियों ने डिग्री के लिए आवेदन किए थे। प्रतिदिन लगभग 250 डिग्रियां जारी नहीं हुईं। इस लिहाज से महीनेभर में 7 हजार डिग्रियां विद्यार्थियों को नहीं बांटी गईं। परेशानी को दूर करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रावधिक उपाधियां देने की व्यवस्था की परंतु उससे विद्यार्थियों का काम नहीं बना। जुलाई के अंतिम सप्ताह में राजभवन ने डॉ. रेणु जैन की नियुक्त बतौर कुलपति कर दी। सीईटी पर फैसला और काउंसलिंग कराने की प्राथमिकता के चलते डिग्रियों से जुड़े काम पर ध्यान नहीं दिया। अब 1 अगस्त से कुलपति रोजाना 500 डिग्रियों पर दस्तखत कर रही हैं। कुलपति डॉ. जैन कहती हैं कि विद्यार्थियों की समस्या दूर करने के लिए लंबित डिग्रियों की समस्या जल्द खत्म की जाएगी।